1

515

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: DEEPAK MEENA		Subject/Code:	
UPSC Roll No: 5812616		Date:	
Drishti Id:		E-mail Id:	
Centre: M. NAGAR		Medium:	Hindi

Test Code: Essay-08

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)		
	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		
Overall Feedback		

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश–पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द–संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न–सह–उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only			
Time Taken	Start Time: End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online ☐ Offline ☐		

For Office Use Only				
Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचय:** विषय और संलग्नता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

*Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep **closely to the subject** of the essay to **arrange their ideas in orderly fashion** and to **write concisely.** Credit will be given for **effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

*उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के **विषय के निकट** रखते हुए क्रमबद्ध करें तथा **संक्षेप** में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों** के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic: (1) प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा वे आधारभूत स्तम्भ हैं जिन पर किसी राष्ट्र की प्रगति और विकास टिका होता है।

"विद्या ददाति विनय, विनयं ददाति पात्रताम् ।
पात्रताम् धनमाप्नोति, धनाद् धर्मं ततः सुखम् ॥"

"पहला सुख, निरोगी काया"

उपर्युक्त प्रथम श्लोक का तात्पर्य है- कि विद्या से विनम्रता आती है और विनम्रता से पात्रता (योग्यता) आती है। योग्यता से ~~धर्म~~ धन की प्राप्ति होती है, धन से धर्म ~~तथा~~ तत्पश्चात धर्म से सुख की प्राप्ति होती है। तथा प्रथम सुख स्वस्थ शरीर का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

का होना माना गया है। अतः मानव जीवन में स्वास्थ्य और शिक्षा का महत्व सर्वाधिक है।

यदि सम्पूर्ण मानव जाति स्वस्थ एवं शिक्षित होगी तो अवश्य की प्रगति और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। यही अवधारणा महबूब उल हक तथा अमर्त्य सेन द्वारा प्रस्तुत मानव विकास सूचकांक (HDI) में शामिल की गई है।

मानव विकास सूचकांक में विभिन्न राष्ट्रों की प्रगति एवं विकास की स्थिति की जानकारी के लिए 3 संकेतकों को शामिल किया जाता है जिसमें - साक्षरता की स्थिति, जीवन प्रत्याशा (स्वास्थ्य की स्थिति) तथा प्रति व्यक्ति आय सम्मिलित है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शिक्षा को आधारस्तम्भ मानते हुए नेल्सन मंडेला ने कहा है "शिक्षा वह ~~हाथ~~ माध्यम है जिससे व्यक्ति संसार बदल सकता है।"

इसी प्रकार स्वास्थ्य और स्वच्छता का महत्व समझते हुए गाँधीजी ने स्वच्छता को स्वतंत्रता से ऊपर महत्व दिया था।

वस्तुतः स्वास्थ्य में भी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल का महत्व सर्वप्रमुख है। ~~क्योंकि~~ प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल से तात्पर्य है ऐसी जीवन शैली का निर्वहन करना जिससे बीमार होने की संभावनाएँ कम हो तथा बीमार पड़ने पर प्राथमिक स्तर पर ही बीमार की रोकथाम की जा सके। इसी संदर्भ में कहा गया है-

"Prevention is better than Cure."

यदि समय पर उपचार नहीं किया जाए ~~सक~~ तो समस्या / बीमारी बढ जाती है और

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

विकराल रूप धारण कर लेती है। जैसे कैंसर की बीमारी में समय के साथ विभिन्न अवस्थाओं (stages) का विकराल रूप धारण करना।

प्राथमिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा की किसी राष्ट्र के विकास व प्रगति में आवश्यकता को समझने के बाद, अब हम इनकी अनुपस्थिति / कमी की स्थिति में उत्पन्न होने वाली बाधाओं को समझने का प्रयास करते हैं।

1947 में स्वतंत्रता के समय भारत एवं पाकिस्तान दोनों राष्ट्रों में लगभग समान प्राथमिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा अवसंरचना थी परन्तु भारत ने IIT, AIIMS जैसे प्रतिष्ठित शैक्षिक व स्वास्थ्य संस्थानों के विकास पर बल दिया जबकि पाकिस्तान में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इनकी उपेक्षा की गई जिसका परिणाम आज विश्व के समक्ष प्रत्यक्षत उपलब्ध है। भारत एक ~~विकास~~ तीव्र गति से विकासरत अर्थव्यवस्था एवं राजनीतिक विश्वशक्ति बनकर उभरा है जबकि पाकिस्तान एक विफल राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है।

वर्तमान में यही अंतराल पश्चिमी देशों और अफ्रीकी देशों के मध्य देखा जा सकता है। अफ्रीकी देशों में प्राथमिक शिक्षा एवं शिक्षा का न्यून स्तर होने के कारण संक्रामक रोगों और भुखमरी की समस्या उत्पन्न हो गई है। COVID महामारी के दौरान भारत ने अफ्रीकी देशों में वैक्सीन उपलब्ध कराकर स्वास्थ्य सुविधाओं के महत्व को प्रमाणित किया है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसी प्रकार उचित शिक्षा व कौशल के अभाव में प्राकृतिक संसाधन सम्पन्न होने के बाद भी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संसाधन दोहन करने के लिए अफ्रीकी राष्ट्र तकनीकी आयात पर निर्भर है।

वस्तुत: प्राथमिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा की कमी के कारण किसी देश के विकास एवं प्रगति में होने वाली बाधाओं की अवधारणात्मक समझ के बाद इनकी ~~विकास~~ उपलब्धता बढ़ाने तथा उसके सकारात्मक प्रभावों की ओर दृष्टि डालनी चाहिए।

वैश्विक स्तर पर WHO द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जा रहे जिसमें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

WASH ~~कार्यक्रम~~ जैसे आधारभूत कार्यक्रम प्रमुख है।

शिक्षा के लिए UNESCO तथा UNICEF द्वारा वैश्विक स्तर पर प्रयास किए जा रहे है।

प्राथमिक स्वास्थ्य तथा शिक्षा की उपलब्धता से बहुआयामी सकारात्मक परिणाम होते है। एक स्वस्थ नागरिक ~~किसी~~ ~~सम्पूर्ण~~ उत्पादन प्रणाली में कुशलता से योगदान देता है जिससे उद्योगों की उत्पादकता में वृद्धि होती है। इसके ~~परिणामस्वरूप~~ उत्पादन व आय में वृद्धि से कालान्तर में बचत, ~~आय~~, निवेश, रोजगार अवसरों में वृद्धि होती है और अर्थव्यवस्था का सुचक्र संचालित होता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शिक्षा की उपलब्धता से जागरूकता में वृद्धि होती है और नागरिकों में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, ~~स~~ पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति चेतना बढ़ती है। इसी क्रम शासन की जवाबदेहिता तथा उत्तरदायित्व निश्चित किए जाते हैं तथा राजनीतिक इच्छाशक्ति और सक्रियता का राष्ट्र की प्रगति और विकास में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जैसा कि स्कैनडनेवियन देशों में देखा गया है।

भारत जैसे विकासशील देश में स्वतंत्रता के समय 14% साक्षरता थी जो 2011 की जनगणना के अनुसार 74% तक पहुँच गई है और भारत ने इस दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में चौथा स्थान प्राप्त किया है। भारत की राजनीतिक शक्ति

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

G-20, G-7 प्लस, BRICS तथा UNSC जैसे वैश्विक मंचो पर साफ दिखाई पड़ती है और भूराजनीतिक व्यवस्था में भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

सामाजिक क्षेत्र में जातिगत असमानताओं में कमी आई हैं और सामाजिक पूंजी का विकास हुआ है। महिलाओं की साक्षरता, ~~शिक्षा~~ स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रसार हुआ है और श्रम बल भागीदारी भी 37% तक पहुँच गई जो वैश्विक औसत 44% की ओर अग्रसर है।

प्राथमिक स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास के लिए AYUSH प्रणालियों का विकास तथा प्रचार किया गया है जिससे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की मान्यता विश्वव्यापी हुई है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए वेलनेस सेंटर की उपलब्धता पर फोकस किया जा रहा है। दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक मॉडल प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है।

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तथा शिक्षा को एकीकृत रूप प्रदान करने के लिए (ICDS) एकीकृत बाल विकास योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएँ एक साथ उपलब्ध कराकर राष्ट्र का कल का भविष्य तैयार किया जा रहा है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की सुनिश्चित

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नागरिकों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और शिक्षा से मनुष्य की शंकाए दूर हो जाती है इसीलिए कहा गया है- "सा विद्या या विमुक्तये"

डॉ. अम्बेडकर ने भी शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा था कि "किसी समाज की प्रगति के लिए शिक्षा सर्वाधिक आवश्यक तत्व है।"

विकसित राष्ट्रों में विकास के उच्च स्तर की प्राप्ति से पूर्व 95% से अधिक साक्षरता दर तथा बेहतर ~~स्वास्थ्य~~ स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की है. जो भारत के दक्षिणी राज्यों में दिखाई देती है।

अत: वैश्विक स्तर पर भी सभी राष्ट्रों

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

की प्रगति एवं विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने SDG लक्ष्यों की घोषणा की है जिसमें SDG-3 में "सभी के लिए स्वास्थ्य" तथा SDG-4 में "सभी के लिए शिक्षा" का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति करके ही हम सभी के लिए प्रथम सुख स्वस्थ शरीर तथा अच्छी शिक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

इनकी प्राप्ति से विश्व स्तर पर खुशहाली स्थापित की जा सकती है-

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया,
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित दुखभाग्भवेत।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Topic: (7) सुधार के लिए परिवर्तन अपरिहार्य है जबकि उत्कृष्टता के लिए सुधार की निरंतरता

"परिवर्तन शाश्वत है"

एडिसन ने बल्ब के आविष्कार के लिए 1000 असफल प्रयास किए और निरन्तर सुधार करते हुए टंगस्टन तंतु पर आधारित बल्ब का अविष्कार किया। यद्यपि यह एक युगान्तकारी घटना थी जिसने सम्पूर्ण विश्व को अंधकार से बाहर निकालकर प्रकाश प्रदान किया। तथापि कालान्तर में सोडियम लैम्प, मरकरी प्रकाश आदि का विकास हुआ।

यह विकास क्रम निरन्तर परिवर्तन का साक्ष्य बनता गया जिसमें ट्यूबलाइट, CFL से होते हुए LED बल्ब को विकास का हुआ। यह वर्तमान में ऊर्जा दक्षता एवं जीवनकाल, पर्यावरण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संरक्षण आदि दृष्टिकोणों से उत्कृष्ट माना जाता है।

अतः स्पष्ट है कि सुधार के लिए परिवर्तन करने पड़ते हैं और यह परिवर्तन सकारात्मक परिणाम उत्पन्न करने वाले होने चाहिए। कुछ परिवर्तन नकारात्मक परिणाम उत्पन्न करते हैं अतः वे सुधार करने में असक्षम माने जाएंगे। यह सकारात्मक परिवर्तन का क्रम अनवरत चलता रहता है और उत्कृष्टता को प्राप्त करता है।

हालांकि उत्कृष्टता का निर्धारण एक आत्मनिष्ठ तथा परिवर्तनशील अवधारणा है। जैसे LED बल्ब वर्तमान में उत्कृष्ट माने जाते हैं परन्तु संभव है भविष्य में तकनीकी विकास के द्वारा अधिक बेहतर उपकरण का विकास

Copyright – Drishti The Vision Foundation

किया जाए।

अतः उत्कृष्टता को एक ऐसी स्थिति के रूप में समझा जा सकता है जो निश्चित देश-काल-परिस्थिति में उपलब्ध अन्य विकल्पों से बेहतर है परन्तु देश-काल-परिस्थितियों में परिवर्तन के साथ ही उत्कृष्टता के मानकों में परिवर्तन संभव है। इसी संदर्भ में स्वामी विवेकानन्द ने कहा है-

"नित्य नया सीखना है जीवन है"

यह परिवर्तन से सुधार करते हुए उत्कृष्टता प्राप्त करने का सफर अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भी देखा जा सकता है जहाँ एडम स्मिथ की 'Wealth of Nation' पुस्तक ने उदारवादी अर्थव्यवस्था के रूप में क्रांति उत्पन्न की तो विरोधी स्वरूप की मार्क्स की 'Das Capital' पुस्तक से समाजवादी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अर्थव्यवस्था के रूप में विरोधी विचारों की क्रांति उत्पन्न की। विभिन्न राष्ट्रों ने अलग-अलग नीतियों का पालन किया जिसमें USA द्वारा उदारवाद तथा USSR द्वारा समाजवाद की नीति अपनाई गई।

ध्यातव्य है कि 1929 की आर्थिक मंदी से निकलने के लिए USA ने भी समाजवादी सिद्धान्तों का सहारा लिया और USSR में भी ख्रुश्चेव द्वारा उदारवाद को आंशिक स्वीकार किया गया। यह परिवर्तन सुधारवादी दृष्टिकोण से संचालित थे और उत्कृष्टता प्राप्ति का लक्ष्य रखते है।

इसी प्रकार प्राचीन रोमन साम्राज्य की स्वर्णिम परिस्थितियों के बाद अंधकार का मध्यकाल आया तो सुधार के लिए

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रूसो, वाल्टेयर, मान्टेस्क्यू जैसे विचारकों के नेतृत्व में परिवर्तन हुए और पुनर्जागरण का दौर चला। इस क्रम में रूसो ने कहा-

" प्रकृति की ओर लौटो "

संभवतया यह ~~दृष्टिकोण~~ प्रथम दृष्टि में प्राचीनता की ओर लौटने वाला नकारात्मक परिवर्तन लग सकता है परन्तु इसकी आंतरिक संवेदना सुधारात्मक प्रवृत्ति की है जिसका उद्देश्य सुधार करते हुए उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

वस्तुत: इसी क्रम में जेम्स वाट ने भाप के इंजन का आविष्कार, न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण सिद्धान्त, मान्टेस्क्यू का शक्ति पृथक्करण सिद्धान्त आदि ने औद्योगिक, वैज्ञानिक तथा राजनीतिक क्षेत्र में सुधारों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

के दीर्घकालिको परिवर्तनों का दिशा प्रदान की।

भारत में सामाजिक क्षेत्र में प्राचीन काल से चली आ रही भेदभावकारी जाति व्यवस्था तथा लिंग भेद आधारित पुरुष सत्तात्मक व्यवस्था को भारतीय संविधान के माध्यम से क्रांतिकारी परिवर्तन का सामना करना पडा है।

संविधान के मूल अधिकारों में Art.14 से 16 तक समानता का अधिकार प्रदान किया गया है तथा Art.17 में अस्पृश्यता उन्मूलन का प्रावधान किया गया जिससे जाति व्यवस्था में सुधारात्मक परिवर्तन हुए है और भारतीय समाज जान रॉल्स के सामाजिक न्याय सिद्धान्त

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के समानता के लक्ष्यों की उत्कृष्टता प्राप्ति की ओर अग्रसर है।

इसी प्रकार राजा राम मोहन राय द्वारा सती प्रथा उन्मूलन के माध्यम से प्रारम्भ किया गया नारी मुक्ति अभियान ईश्वरचन्द्र विद्यासागर के विधवा पुनर्विवाह से होते हुए ज्योतिबा फूले व सावित्रीबाई फूले के स्त्री शिक्षा तक पहुँचा। इसे स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् राजनीतिक सशक्तिकरण का आयाम भी मिला और 73वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज में महिला भागीदारी सुनिश्चित की गई।

वर्तमान में यह सकारात्मक परिवर्तनों से सुधारों का दौर नारी वंदन अधिनियम 2023 द्वारा महिलाओं को लोकसभा व विधानसभा में 33% आरक्षण द्वारा प्रतिनिधित्व प्रदान

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कर महिला सशक्तिकरण के उत्कृष्टता लक्ष्यों ~~की~~ तक पहुँच गया है। यद्यपि इस क्षेत्र में अभी वास्तविक उत्कृष्टता को प्राप्त करना शेष है।

इसी परिवर्तन से सुधार को चार्ल्स डार्विन ने अपनी पुस्तक 'Origin of the Species' में प्रतिपादित विकासवाद के सिद्धान्त से बताया है। उन्होंने 'सर्वोत्तम की उत्तरजीविता' तथा 'अनुकूलन' की अवधारणाएँ प्रस्तुत की जिसके अनुसार बन्दरों को मनुष्यों को पूर्वज बताया गया और निरन्तर परिवर्तन से सुधार होते हुए हम ~~वर्तमा~~ क्रमिक विकास द्वारा वर्तमान स्थिति में पहुँचे हैं।

यही क्रम विज्ञान के क्षेत्र में देखा जा सकता है जहाँ भाप के इंजन से

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रथम औद्योगिक क्रांति के बाद विद्युत के विकास से द्वितीय औद्योगिक क्रांति तथा कम्प्यूटरीकरण व इंटरनेट से तृतीय औद्योगिक क्रांति तक पहुँचे है।

आज हम परिवर्तन से सुधार करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, बिग डेटा, क्वांटम कम्प्यूटिंग जैसी तकनीको का प्रयोग करके चौथी औद्योगिक क्रांति की ओर अग्रसर है और दिन प्रतिदिन उत्कृष्टता के नये आयाम बना रहे हैं।

पर्यावरण के क्षेत्र में हम अनव्यकरणीय ऊर्जा स्रोत से आगे बढ़कर सौर ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, तक पहुँच गए है और हाइड्रोजन सेल के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त कर पर्यावरण संरक्षण की ओर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अपनी प्रतिबद्धता बढ़ा रहे हैं।

हालांकि पर्यावरणीय क्षेत्र में कुछ नकारात्मक परिणामों के कारण सुधार के स्थान पर समस्याओं की उत्पत्ति हुई है। ये समस्याएँ जलवायु परिवर्तन तथा प्रदूषण के रूप में मानव अस्तित्व को चुनौती प्रदान कर रही हैं।

व्यक्तिगत स्तर पर उत्कृष्टता के उदाहरणों में क्रिकेट जगत में विराट कोहली का निरन्तर सुधार करके उत्कृष्टता प्राप्त करने का उदाहरण अनुकरणीय है तो वहीं ओलम्पिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा भी लगातार अपने भाला फेंकने की तकनीक में सुधार से ~~बेहतर~~ अधिक दूरी तक भाला फेंक की योग्यता प्राप्त कर रहे हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसी प्रकार ISRO ने चन्द्रयान 2.0 में अपेक्षित सफलता न मिलने पर सुधार करके चन्द्रयान 3.0 में चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लेन्डर तथा रोवर भेजकर इतिहास रचा है।

ध्यातव्य है कि सामान्यतः ~~यह इस~~ परिवर्तन से सुधार करके उत्कृष्टता प्राप्त करने का दृष्टिकोण व्यक्ति, समाज के स्तर पर प्रासंगिक है परन्तु मूल्यों के स्तर पर यह निरापद नहीं है। उदाहरण के लिए सार्वभौमिक मूल्यों यथा सत्यमेव जयते, परोपकाराय पुण्याय पापाय परपीडनम् आदि में परिवर्तन या सुधार नहीं किए जा सकते है अपितु इनकी प्राप्ति के लिए मनुष्य, समाज के स्तर पर सुधार से उत्कृष्टता की अपेक्षा की जाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन मूल्यों का पालन करने वाला व्यक्ति इनके निरन्तर ~~प्रयास~~ के अभ्यास से उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है। अभ्यास में परिवर्तन की आवश्यकता नही है अपितु निरन्तरता आवश्यक है। इसे गाँधीजी ने अपनी पुस्तक 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' में स्वयं के संदर्भ में वर्णित किया है। कहा भी गया है-

"करत करत अभ्यास के जडमति होत सुजान"

निष्कर्षत: हम कह सकते है जैन धर्म के स्यादवाद से संगत रूप में प्रकृति प्रतिपल परिवर्तित होती रहती है इसी के अनुसार मनुष्य को भी स्वयं में ~~परिवर्तन~~ सकारात्मक परिवर्तन के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। सकारात्मक परिवर्तनों का सम्बन्ध नवाचार से है जो सुधार करते है। मनुष्य द्वारा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

निरन्तर सकारात्मक परिवर्तनों से उत्कृष्टता के लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सकती है। इसी संदर्भ में स्वामी विवेकानंद ने कहा है -

"उत्तिष्ठत जागृत प्राप्य वरान्निबोधत"

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation